भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 769
वृहस्पतिवार, दिनांक 02 दिसम्बर, 2021 को उत्तर दिए जाने हेतु

अपतटीय पवन के लिए उत्कृष्टता केंद्र

769. श्री मद्दीला गुरूमूर्ति:
श्री तालारी रंगैय्या:
डॉ. बीसेट्टी वेंकट सत्यवती
श्रीमती चिंता अनुराधा: क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या अपतटीय पवन और हरित हाइड्रोजन जैसी नवीकरणीय ऊर्जा में डेनमार्क के साथ कोई समझौता किया गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने अपतटीय पवन के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने हेतु डेनमार्क के साथ किसी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार का आंध्र प्रदेश के तट पर कोई अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजना स्थापित करने का विचार है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत मंत्री
(श्री आर.के. सिंह)

(क)और(ख): भारत सरकार ने नवीन और नवीकरणीय प्रौद्योगिकियां विकसित करने के उद्देश्य से डेनिश और भारतीय संगठनों के बीच नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा (एनआरई) में सहयोग के लिए दिनांक 06.02.2008 को डेनमार्क सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया था। इस एमओयू की रूपरेखा के अंतर्गत नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) और द मिनिस्टरी फॉर एनर्जी, यूटिलिटी एण्ड क्लाइमेट, डेनमार्क के बीच अपतटीय पवन ऊर्जा पर बल देते हुए अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में एक रणनीतिक सेक्टर सहयोग करार पर दिनांक 06.03.2019 को हस्ताक्षर किए गए। सहयोग करार के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार है:

- अपतटीय पवन परियोजनाओं के प्रबंधन के लिए तकनीकी क्षमता का निर्माण करना।
- अधिक कुशल तटीय और अपतटीय पवन उद्योग विकसित करने और उसे सशक्त बनाने के उपाय करना।
- पवन टर्बाइनों, घटकों की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने और प्रमाणीकरण आवश्यकताओं के लिए उपाय करना।
- अपतटीय पवन का पूर्वानुमान एवं समय निर्धारण (शिड़यूलिंग)।
- आपसी सहमति से कोई अन्य क्षेत्र।

(ग) और (घ): डेनमार्क सरकार के साथ दिनांक 06.02.2008 को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अन्तर्गत निम्नलिखित क्षेत्रो पर बल देने के साथ उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना के संबंध में एक आशय पत्र पर दिनांक 06.03.2019 को हस्ताक्षर किए गए थे :

क) तटीय एवं अपतटीय पवन पर बल देते हुए अक्षय ऊर्जा संसाधन आंकलन;

ख) पवन, सौर, पन बिजली भंडारण का हॉइब्रिडाइजेशन;

ग) उच्च स्तरीय पवन ऊर्जा सहित अक्षय ऊर्जा का समेकन;

घ) परीक्षण और आर एण्ड डी; तथा

ङ) कौशल विकास/क्षमता निर्माण।

अपतटीय पवन और अक्षय ऊर्जा के लिए उत्कृष्टता केन्द्र का, दिनांक 9 सितंबर, 2021 को नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत मंत्री, भारत सरकार तथा क्लाइमेट, एनर्जी और यूटिलिटी मंत्री, डेनमार्क द्वारा संयुक्त रूप से शुभारंभ किया गया था।

(ङ) और (च): राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान द्वारा किए गए प्राथमिक आकलन के आधार पर तमिलनाडु और गुजरात के अपतट पर अपतटीय पवन ऊर्जा संभाव्यता स्थलो को चिन्हित किया गया है।

***